विद्या आश्रम कार्यकारिणी की बैठक ऑन लाइन
दिन : रविवार, 28 जनवरी 2024
समय : शाम 3.00 से 5.00

कार्यवाही

विद्या आश्रम कार्यकारिणी की वर्ष 2023-24 की दूसरी बैठक 28 जनवरी 2024 को दोपहर 3.00 बजे से शुरू हुई. वाराणसी में रहने वाले कार्यकारिणी के सदस्य विद्या आश्रम पर पहुँच गए और अन्य शहरों में रहने वाले ज़ूम के द्वारा बैठक में शामिल हुए. बैठक की अध्यक्षता चित्राजी ने की और सञ्चालन गिरीश सहस्रबुद्धे ने किया.

उपस्थित सदस्य : प्रेमलता सिंह, एहसान अली, लक्ष्मण प्रसाद, अविनाश झा, कृष्णराजुलु, जे.के सुरेश, गिरीश सहस्रबुद्धे, अभिजित मित्रा और चित्राजी .

बैठक की शुरुआत वर्ष 2023-24 के दौरान हुए कार्यक्रमों पर हुई, जिसकी एक रपट संक्षेप में लिखकर पहले से ही सदस्यों में वितरित कर दी गई थी. चित्राजी ने इस वर्ष की प्रमुख गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्या आश्रम की पहचान अब एक ऐसे विमर्श स्थान के रूप में हो चुकी है, जहाँ बहुजन समाज, जिसे हम लोकविद्या-समाज या स्वदेशी-समाज के नाम से जानते हैं, की शक्तियों को ऊर्जावान बनाने की दिशा में विचार और कार्य होता है. सामान्य लोगों की नैतिक और परिवर्तनकारी शक्तियों को उजागर करने का काम होता है. विद्या आश्रम स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के मिलने का एक स्थान बन गया है.

इस वर्ष कबीर जन्मोत्सव कार्यक्रम के जरिये लोकविद्या जन आन्दोलन ने वाराणसी के बाहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर शहर के विविध इलाकों में सामान्य लोगों के बीच कबीर के दर्शन की प्रासंगिकता और परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर किया. सत्य, न्याय, भाईचारा और प्रेम के मूल्यों की पुनर्स्थापना के साथ समाज संगठन और सञ्चालन के उन बिन्दुओं की पहचान करने की कोशिश की गई जो सामान्य लोगों के ज्ञान की पहल और गुणवत्ता को बराबर का सम्मान और दर्जा दे. वाराणसी ज्ञान पंचायत कार्यक्रम ने एक आगे कदम बढाया है. इस कार्यक्रम के तहत अब वार्ड ज्ञान पंचायतें बनाने की ओर बढे हैं. वाराणसी ज्ञान पंचायत की पत्रिका 'सुर साधना' के अब तक कुल 5 अंक निकल चुके हैं और अब अंक 6 की तैयारी है. वार्ड सलारपुर और वार्ड जलालीपुरा में वार्ड ज्ञान पंचायत बनाने की बैठके भी हो गई हैं. इन बैठकों में ज्ञान पंचायत की भूमिका पर विस्तार से चर्चा होती है. लोकनीति संवाद के कार्यक्रम का विस्तार किया गया और स्थानीय लोगों के साथ संवाद के वीडियों बनाये गए. इंदौर से कला के क्षेत्र में लोकविद्या आधारित प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ. लोकविद्या यात्राओं और सत्संगों के मार्फ़त लोकविद्या वार्ताएं चलीं. लोकविद्या वार्ता के व्हाट्सएप्प समूह प्रत्येक मंगलवार को वार्ताएं हुई चलती रहीं हैं. इन वार्ताओं में किसान आन्दोलन, स्वराज और वितरित सत्ता के मुद्दे विशेष स्थान लेते रहे. राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय मुद्दों पर भी वार्ताएं हुईं.

लक्ष्मण प्रसाद ने वाराणसी से किसान समाज के बीच वार्ता के निरंतर चलते रहते कार्यक्रमों के बारे में बात रखी. संयुक्त किसान मोर्चा और भारतीय किसान यूनियन की गतिविधियों को सामने रखा.

'बहुजन रिसर्च प्रोग्राम' को चलाने की बात पिछले एक दो महीने से लोकविद्या समूह में चर्चा का विषय बनी. वाराणसी और चंडीगढ़ में इस विषय पर बैठकें भी हुई और लोकविद्या व्हाट्सएप्प समूह पर लगातार कई सप्ताह बात चली. इस वार्ता के चलते जे.के.सुरेश ने बंगलुरु से ली जा रही पहल 'लोकविद्या-समाज रिसर्च कार्यक्रम' के बारे में विस्तार से अपनी बात रखी. यह रिसर्च लोकविद्या-समाज के अन्दर पिछले दो दशक में हुए परिवर्तनों को रेखांकित करने की कोशिश हैं. कर्णाटक में तकनीकी, राजनीति, सामाजिक आदि पक्षों में हुए परिवर्तनऔर लोकविद्या-समाज के अपने ज्ञान को सामने लाने का प्रयास रहेगा. सभी ने इस पहल का स्वागत किया और इसे शुरू करने के पक्ष में सहमति दी. राय यह भी रही कि वाराणसी, इंदौर और अन्य शहरों से भी इस दिशा में प्रयास हों तो अच्छा होगा.

विद्या आश्रम न्यास समिति की बैठक के लिए सर्वसहमति से 17 मार्च 2024 की तारीख तय की गई और इस पर न्यास के सभी सदस्यों की राय आ जाने पर इसे पक्का कर दिया जायेगा. बैठक विद्या आश्रम पर हो या ज़ूम हो इस बारे में भी न्यास के सदस्यों की राय आने के बाद तय होगा.

प्रकाशन के क्षेत्र में 'सुर साधना' के अलावा अधिक कार्य नहीं हुआ है. स्वराज पुस्तक माला के लिए सामग्री के संकलन का कार्य जारी है. हाल ही में 15-19 फरवरी 2024 में काठमांडू, नेपाल में होने जा रहे विश्व सामाजिक मंच में लोकविद्या जन आन्दोलन की ओर से एक युवा समूह शामिल हो रहा है. इस अवसर पर 'सबकी आय पक्की, नियमित ...' का अंग्रेजी संस्करण तैयार किया गया.

वित्त के बारे में यह कि दिसंबर के अंत तक लगभग 6.20 लाख खर्च हो चुके हैं और आगे 2.50 या 3.00 लाख तक का खर्च होगा. उम्मीद है कि यह जुट जायेगा.

आश्रम की व्यवस्थाओं में फिलहाल यह कि वाराणसी विकास योजनाओं के तहत विद्या आश्रम की भौतिक स्थिति कितने दिनों तक बनी रहेगी इसकी कोई नई सूचना अभी नहीं मिली है.

वर्ष 2023-24 के लिए वाराणसी ज्ञान पंचायत, प्रकाशन और बहुजन रिसर्च प्रोग्राम ये प्रमुख कार्यक्रम होंगे इस बात पर सहमति बनी.

चित्रा सहस्रबुद्धे

समन्वयक, विद्या आश्रम